।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४८ | प्रथम खण्ड - मौखिक

सन् २०२१ | समय : सुबह ९ से १२ | सम्पूर्णांक : ७०

परीक्षा क्रमांक : ..... | केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। (५)

१. कौनसे शिष्य ने आम और वृक्षों की गिनती की? .....

२. कौन से चोर ने भगवान की चार बातें सुनी? .....

३. आपको सही तरीका कौन पढ़ाते हैं? .....

४. ३२ लक्षणों से युक्त बालक कौन था? .....

५. सुनीता की सहेली का क्या नाम था? .....

प्रश्न २ .सही या गलत बताइए। (५)

१. जिव्हा को वश रखने के लिए ५ अंक कहता है। .....

२. आपके माता पिता हमेशा आपके पक्ष में हैं। .....

३. मेरा सभी जीवों के साथ वैरभाव है। .....

४. रोचक तथ्य हमें पुस्तक बताती हैं। .....

५. जीवन के ५ भाग होते हैं। .....

प्रश्न ३. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (५)

१. ..... your father and mother. (Respect / Honour)

२. भोजन सिर्फ ..... के लिए नहीं करें। (स्वाद / स्वास्थ्य)

३. छोटी-छोटी बातों पर ..... नहीं करें। (गुस्सा / क्रोध)

४. घड़ी चलती रहती .....। (प्रतिदिन / प्रतिपल)

५. हमेशा ..... से रहना। (सच्चाई / निडरता)

प्रश्न ४. मैंने अपनी मां की इच्छा के लिए यह कार्य किया मुझे पहचाने। (५)

१. १० वर्ष की उम्र में प्रतिक्रमण कण्ठस्थ किया। .....

२. अपने दांतो को तोड़कर प्रतिज्ञा ली। .....

३. तेला करके देव को प्रसन्न किया। .....

४. विद्यालयों का निर्माण किया। .....

५. स्वराज्य की स्थापना की। .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (१०)

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
१. प्रभासजी	.....	.....
२. नमिनाथजी	.....	.....

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
३. अभिनंदनजी	.....	.....
४. वायुभूतिजी	.....	.....
५. वासुपूज्यजी	.....	.....

प्रश्न ६ 'यत्नोत्साह समारंभो.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ७ 'गुरु वंदन का पाठ ' पूर्ण एवं शुद्ध बोलिए। (५)
प्रश्न ८ (१०)

सूचना – पांच पदों के गुण और रंग के अनुसार उनके विभाग में दी हुई ईंटों को रंग से भरिए।
Instruction - Colour the bricks as per the qualities and colour of Pad given in their section.

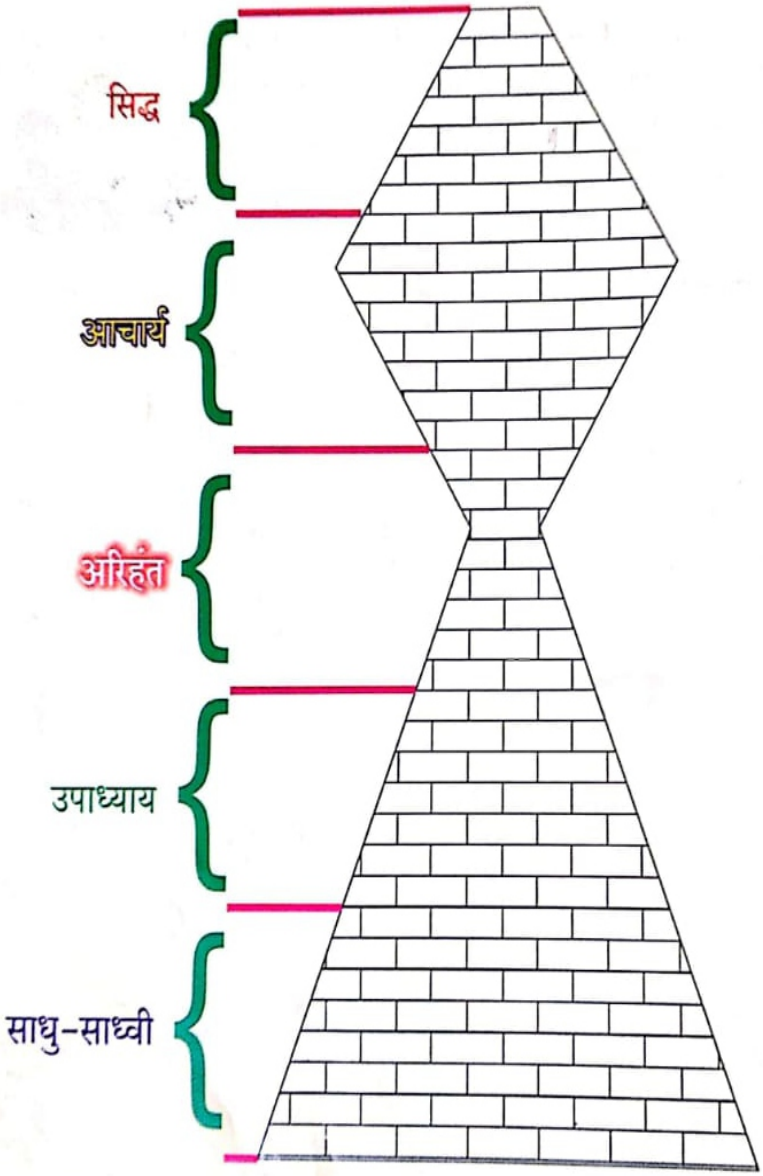

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४८ | प्रथम खण्ड - लेखी

सन् २०२१ | समय : सुबह ९ से १२ | सम्पूर्णांक : १००

परीक्षा क्रमांक : ..... | केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग १)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। (१०)

१. कुमार वर्धमान आदि बालक कौन सा खेल खेल रहे थे? .....

२. पारिवारिक भोजन का कार्यक्रम किसके घर पर था? .....

३. कौनसे शिष्य ने आम और वृक्षों की गिनती की? .....

४. कुएं के पानी में कुत्तिया के बच्चे की क्या पड़ी? .....

५. कौन से चोर ने भगवान की चार बातें सुनी? .....

६. आपको सही तरीका कौन पढ़ाते हैं? .....

७. 32 लक्षणों से युक्त बालक कौन था? .....

८. सुनीता की सहेली का क्या नाम था? .....

९. विक्की की कक्षा कौन सी थी? .....

१०. माता-पिता किसके समान है? .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (१०)

१. श्रद्धा हमारी इन तत्वों में और ..... हैं गुरु चरणों में।
२. सप्त व्यसनों से दूर रहकर, जग में ..... कहायेंगे।
३. श्रमण भगवान श्री .....त्रिशलानंदन हरियो पीर।
४. तोता मैना कोयल रानी इनसे सीखें ..... वाणी।
५. हम हैं प्यारे बच्चें, मन के हैं बिल्कुल ..... ।
६. सुखी करके सबको स्वयं ..... सहेंगे।
७. ..... का गहना - लज्जा रखना।
८. पैरों का गहना ..... में जाना।
९. महावीर के हम ..... बनेंगे।
१०. शुभ ..... की जगालो लौ।

प्रश्न ३. मैंने अपनी मां की इच्छा के लिए यह कार्य किया मुझे पहचाने। (८)

१. माता-पिता को कंधे पर बिठाकर तीर्थयात्रा करवायी। .....

२. १० वर्ष की उम्र में प्रतिक्रमण कण्ठस्थ किया। .....

३. अपने दांतो को तोड़कर प्रतिज्ञा ली। .....

४. १४ वर्ष का वनवास स्वीकार किया। .....

५. तेला करके देव को प्रसन्न किया। .....

६. विद्यालयों का निर्माण किया। .....

७. गर्भ में हलचल बंद कर दी। .....

८. स्वराज्य की स्थापना की। .....

प्रश्न ४. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। (१०)

१. जिव्हा को वश रखने के लिए ७ अंक कहता है। .....

२. भोज की सारी तैयारी ब्राह्मण की पत्नी ने की। .....

३. आपके माता पिता हमेशा आपके पक्ष में हैं। .....

४. अनुपमा के पैर में से रक्त आने लगा। .....

५. मेरा सभी जीवों के साथ वैरभाव है। .....

६. रोचक तथ्य हमें पुस्तक बताती हैं। .....

७. किसी भी चीज पर बहस ना करें। .....

८. जीवन के ७ भाग होते हैं। .....

९. उपाध्याय के गुण २७ हैं। .....

१०. अहिंसा हमारा धर्म हैं। .....

प्रश्न ५. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (१०)

१. कोई ..... यदि पूछे तो, घर के बारे में कुछ ना बताना। (अनजान / अपरिचित)

२. ..... व्यक्ति की स्मरण शक्ति कमजोर होती है। (बातुनी / आलसी)

३. सुख और दुख में हमेशा प्रभु का ..... करें। (स्मरण / याद)

४. ..... your father and mother. (Respect / Honour)

५. भोजन सिर्फ ..... के लिए नहीं करें। (स्वाद / स्वास्थ्य)

६. छोटी-छोटी बातों पर ..... नहीं करें। (गुस्सा / क्रोध)

७. अपनी दृष्टि ..... बनाएं। (गुणग्राही / दोषग्राही)

८. ..... को स्वीकार करना चाहिए। (बात / सत्य)

९. घड़ी चलती रहती ..... । (प्रतिदिन / प्रतिपल)

१०. हमेशा ..... से रहना। (सच्चाई / निडरता)

प्रश्न ६. मेरी प्रतिज्ञा को क्रमानुसार लिखिए। (८)

क्रमानुसार

१. मैं इस संदेश को तब तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा / करूंगी। .....

२. जिओ और जीने दो भगवान महावीर का प्रमुख संदेश है। .....

३. मैं इस संदेश को स्वयं अपनाउंगा / अपनाउंगी। .....

४. मैं उनके प्रति हमेशा समर्पित रहूंगा / रहूंगी। .....

५. भगवान महावीर के प्रति मेरी दृढ़ श्रद्धा है। .....

६. भगवान महावीर का / की अनुयायी हूँ। .....

७. वे मेरे देव है। .....

८. मैं जैन हूं। .....

प्रश्न ७. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (१०)

नाम	तीर्थंकर / गणधर	नंबर
ऋषभदेवजी	तीर्थंकर	१
१. प्रभासजी	.....	.....
२. नमिनाथजी	.....	.....
३. अभिनंदनजी	.....	.....
४. वायुभूतिजी	.....	.....
५. वासुपूज्यजी	.....	.....

प्रश्न ८. गलत पर्याय चुनकर लिखिए। (५)

१. आलसी, विनयी, बातुनी, क्रोधी .....
२. ज्ञान, दर्शन, अरिहंत, सिद्ध .....
३. तोता, मैना, कौआ, कोयल .....
४. नरक, तिर्यंच, देव, स्वग .....
५. १२, २५, २७, ३८ .....

प्रश्न ९. जोड लगाइए। (१०)

अ-स्तंभ	ब-स्तंभ	अ-स्तंभ	ब-स्तंभ
१. मित्ती मे	धनम्?	१.	.....
२. श्रीरचला	धर्मं	२.	.....
३. कणत्यागे कुतो	निपातेन	३.	.....
४. अहार्यत्वाद्	तपः	४.	.....
५. तृतीये नार्जितं	सव्व भूएसु	५.	.....
६. जलबिन्दु	ध्रुवम्	६.	.....
७. आत्मजः	समारंभो	७.	.....
८. यत्नोत्साह	सर्वजगतः	८.	.....
९. दानमध्ययनं	प्रतिकुलानि	९.	.....
१०. शिवमस्तु	अनर्घ्यत्वाद्	१०.	.....

प्रश्न १० गुरुवंदन का पाठ पूर्ण एवं शुद्ध लिखिए। (४)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न ११ 'यत्नोत्साह समारंभो.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १२ (१०)

सूचना – पांच पदों के गुण और रंग के अनुसार उनके विभाग में दी हुई ईंटों को रंग से भरिए।
Instruction - Colour the bricks as per the qualities and colour of Pad given in their section.

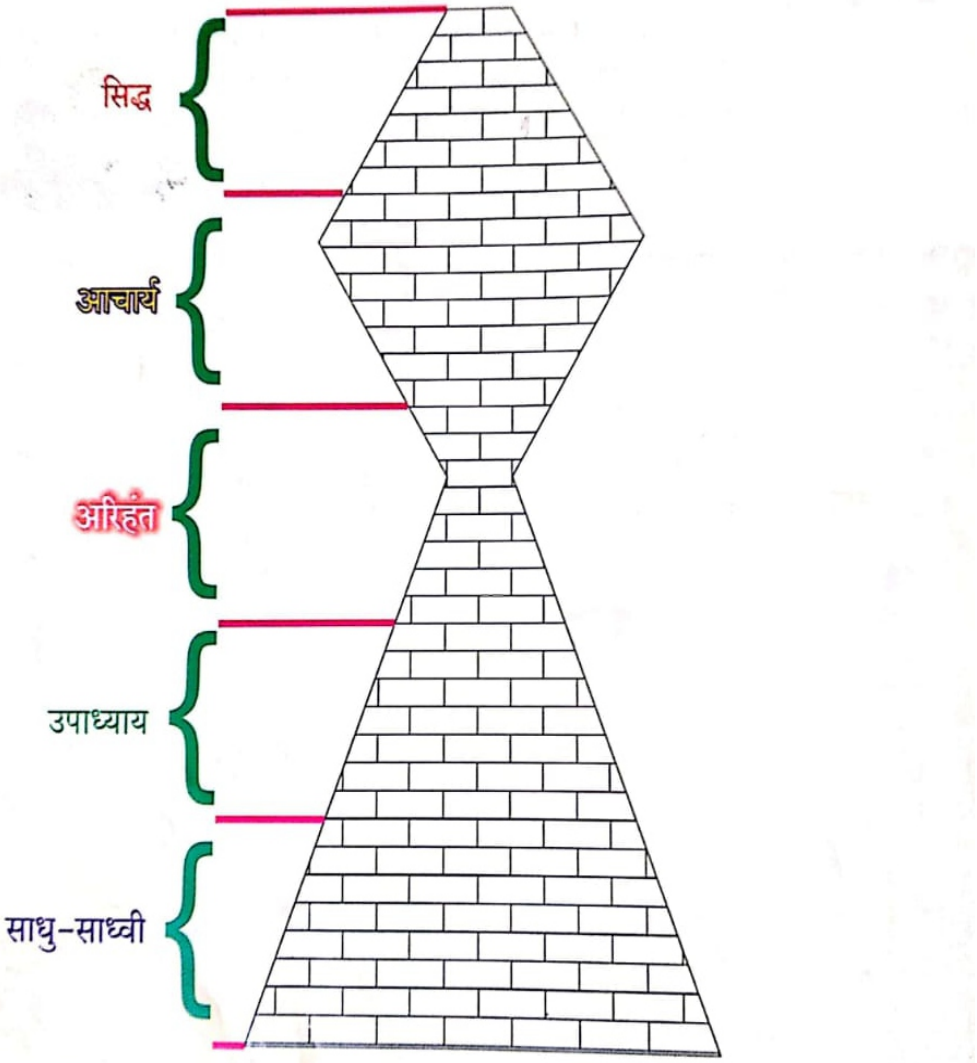

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४८ द्वितीय खण्ड - मौखिक

सन् २०२१ समय : सुबह ९ से १२ सम्पूर्णांक : ७०

परीक्षा क्रमांक : ..... केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग २)

प्रश्न १. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (५)

१. ..... निकला मिटा अंधेरा, देखो बच्चों हुआ सवेरा।
२. कुन्ती, दमयन्ती महारानी, सती पुष्पचूला ..... ।
३. करो सदा उपयोग ..... का खाओ कभी न धक्के।
४. नमो सदा ही नमस्कार हो, ... मतिमंतो को।
५. अच्छे बच्चें हम कहलाएं, ... को अपनाएं।

प्रश्न २. अंकों में जवाब लिखिए। (५)

१. प्रतिदिन दोहराने के कितने संकल्प हैं ? .....
२. माता त्रिशला ने कितने स्वप्न देखे थे ? .....
३. मुंहपत्ती कितने पर्त वाली होती है ? .....
४. श्यामू के पास कितने मटके थे ? .....
५. ग्वाले के पास कितने बैल थे ? .....

प्रश्न ३. हां या ना बताइए। (५)

१. एक समय में एक अच्छी आदत को Replace करें। .....
२. हम जल्दी से कोई भी चीज Accept करते हैं। .....
३. बुरी आदतों को धीरे धीरे Delete करें। .....
४. हर जीव की सुरक्षा करनी चाहिए। .....
५. अपनी बात पर अडना चाहिए। .....

प्रश्न ४. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (५)

१. पुस्तकेषु च या ..... । (विद्या / धनम्)
२. यस्तु संचरते ..... । (देशान् / पण्डितान्)
३. आचारः ..... धर्म। (विदुषां / प्रथमो)
४. दाने ..... शौर्ये च। (तपसि / विनये)
५. तनोति .....। (धर्मं / पापं)

प्रश्न ५. पहचानिए ये कौन है? (५)

१. खीर को बेस्वाद बनाने वाला। .....
२. प्रतिदिन पाठशाला जाने वाला। .....

३. जीव रक्षा के लिए उपयोगी साधन। ....

४. जिन्हें प्रारंभ से तीन ज्ञान होते हैं। ....

५. मस्ती में उड़ता हुआ। ....

प्रश्न ६. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (५)

नाम	विहरमान/ सति	नंबर
सीताजी	सति	४
१. ईश्वरस्वामीजी	....	....
२. बाहूस्वामीजी	....	....
३. सुभद्राजी	....	....
४. चंदनबालाजी	....	....
५. वज्रधर स्वामीजी	....	....

प्रश्न ७ 'सन्तोषस्त्रिषु ..... चाध्ययने व्रते।' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८ 'हे प्रभु वीर! दया के सागर' वन्दना पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ९ (१०)

सूचना – चित्रों के अंग्रेजी नाम से सार्थक शब्द तैयार कीजिए। जैसे

स +

..........सडक..........

आ +

....

सा +

....

हॉ +

....

 + वर्क

....

बा +

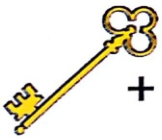

....

 + डि

....

+ कुल

....

तक +

....

प्रा +

....

आं +

....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४८ | द्वितीय खण्ड - लेखी

सन् २०२१ | समय : सुबह ९ से १२ | सम्पूर्णांक : १००

परीक्षा क्रमांक : ..... | केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग २)

प्रश्न १. पहचानिए ये कौन है ? (१०)

१. जीव रक्षा के लिए उपयोगी साधन। .....

२. जिन्हें प्रारंभ से तीन ज्ञान होते हैं। .....

३. प्रतिदिन पाठशाला जाने वाला। .....

४. खीर को बेस्वाद बनाने वाला। .....

५. कील निकालने वाला वैद्य। .....

६. कुहूक कुहूक गाने वाली। .....

७. मस्ती में उड़ता हुआ। .....

८. विश्व सोच का सार। .....

९. निशदिन चलता। .....

१०. ज्ञान विशाला। .....

प्रश्न २. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (१०)

१. देश देश की सैर कराती, मनमोहक संसार है .....।
२. ..... निकला मिटा अंधेरा, देखो बच्चों हुआ सवेरा।
३. ..... पर बढे कदम तो, बहुत मिलेंगे पथ में साथी।
४. करो सदा उपयोग ..... का खाओ कभी न धक्के।
५. लदे फलों से वृक्ष कह रहे पर ..... बनना सीखो।
६. कुन्ती, दमयन्ती महारानी, सती पुष्पचूला .....।
७. गलत बोलने वाला मानव, ... को देता न्यौता।
८. नमो सदा ही नमस्कार हो, ... मतिमंतो को।
९. अच्छे बच्चें हम कहलाएं, ... को अपनाएं।
१०. Mistakes are ..... ,that you are trying.

प्रश्न ३. अंकों में जवाब लिखिए। (६)

१. कितने प्रकार के बीजों के बारे में महात्मा ने बताया ? .....

२. प्रतिदिन दोहराने के कितने संकल्प हैं ? .....

३. माता त्रिशला ने कितने स्वप्न देखे थे ? .....

४. मुंहपत्ती कितने पर्त वाली होती है ? .....

५. श्यामू के पास कितने मटके थे ? .....

६. ग्वाले के पास कितने बैल थे ? .....

प्रश्न ४. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (१०)

१. पुस्तकेषु च या ....., परहस्तेषु यद् ..... ।
२. यस्तु संचरते ....., यस्तु सेवते ..... ।
३. आचार: ..... धर्म, इत्येतद् ..... वच।
४. दाने ..... शौर्ये च विज्ञाने .....नये।
५. तनोति ....., विधुनोति ..... ।

(**शब्दसूची** -धर्मं, विद्या, धनम्, पापं, विनये, तपसि, देशान्, पण्डितान्, प्रथमो, विदुषां)

प्रश्न ५. हां या ना बताइए। (६)

१. एक समय में एक अच्छी आदत को Replace करें। .....
२. हम जल्दी से कोई भी चीज Accept करते हैं। .....
३. बुरी आदतों को धीरे धीरे Delete करें। .....
४. हर जीव की सुरक्षा करनी चाहिए। .....
५. अपनी बात पर अडना चाहिए। .....
६. सदाचरण से रहना चाहिए। .....

प्रश्न ६. ये सीख किस कहानी की है? लिखिए। (७)

१. शब्दों की बजाय उदाहरण से बात जल्दी समझ में आती है। .....
२. हम जैसा कार्य करते हैं, वैसा ही फल हमें मिलता है। .....
३. सामायिक के साधनों का सही उपयोग करें। .....
४. उलझे हुए लोगों के साथ नहीं रहना चाहिए। .....
५. बच्चों के संस्कारों पर ध्यान देना चाहिए। .....
६. अपने मन की शंका पूछनी चाहिए। .....
७. अपने मूल्य को पहचानना चाहिए। .....

प्रश्न ७. निम्नलिखित Success की सीढ़ियों को चढ़ते क्रमानुसार लगाइए। (७)

क्रमानुसार

१. How do I do it? .....
२. I want to do it .....
३. I'll try to do it .....
४. Success .....
५. I will do it .....
६. I can do it .....
७. I can't do it .....

प्रश्न ८. नीचे दिए हुए नाम किसके है पहचानकर उनके नंबर लिखिए। (१०)

नाम	विहरमान/सति	नंबर
सीताजी	.....	.....
१. ईश्वरस्वामीजी	.....	.....
२. बाहूस्वामीजी	.....	.....
३. सुभद्राजी	.....	.....
४. चंदनबालाजी	.....	.....
५. वज्रधर स्वामीजी	.....	.....

प्रश्न ९. जोड लगाइए। (१०)

अ-स्तंभ	ब-स्तंभ	अ-स्तंभ	ब-स्तंभ
१. आर्य वज्रस्वामी	भारत कोकिला	१.	.....
२. लुईस ब्रेली	८ वर्ष में दीक्षा	२.	.....
३. सरोजिनी नायडू	११ अंग	३.	.....
४. अतिमुक्तककुमार	वायुयान	४.	.....
५. आदर्श जॉर्ज	ऑपरेशन	५.	.....
६. तृप्त राज पाण्डे	ब्रेललिपि	६.	.....
७. इडमुण्ड थामर क्लिन्ड	शतरंज	७.	.....
८. आरविल-विल्वर राइट	२ वर्ष में पढ़ना	८.	.....
९. देव शाह	तबला वादक	९.	.....
१०. अर्जित जयस्वाल	पेंटिंग्ज	१०.	.....

प्रश्न १०. सामायिक के साधन कितने हैं ? कौनसे ? (४)

.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न ११. 'हे प्रभु वीर! दया के सागर' वन्दना पूर्ण लिखिए। (५)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न १२ 'सन्तोषस्त्रिषु .... चाध्ययने व्रते।' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्रश्न १३ (१०)

सूचना – चित्रों के अंग्रेजी नाम से सार्थक शब्द तैयार कीजिए। जैसे

स +

..........सडक..........

आ +

....

सा +

....

हॉ +

....

 + वर्क

....

बा +

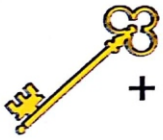

....

 + डि

....

+ कुल

....

तक +

....

प्रा +

....

आं +

....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४८ तृतीय खण्ड - मौखिक

सन् २०२१ समय : सुबह १ से १२ सम्पूर्णांक : ७०

परीक्षा क्रमांक : ..... केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। (५)

१. कुलकर्णी और देशपांडे ने किस पर करुणा की ? .....

२. माता की तरह वात्सल्य भाव किसमें होता है ? .....

३. तीर्थंकर किसके लक्ष्य से दीक्षा लेते हैं ? .....

४. सोते - जागते वक्त क्या करने चाहिए ? .....

५. भगवान के उपदेश को क्या कहते है ? .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानकर लिखिए। (५)

१. जिओ और जीने दो भगवान ऋषभदेव का प्रमुख संदेश है। .....

२. हमारे जीवन में धन का स्थान महत्वपूर्ण है। .....

३. चलते समय जागृति रखनी चाहिए। .....

४. सही निर्णय को बदलना चाहिए। .....

५. हमारे सच्चे देव अरिहंत ही है। .....

प्रश्न ३. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (५)

१. जो ..... रक्षा करता है, धर्म भी उसकी रक्षा करता है।(धर्मकी / सबकी)

२. ..... हो भवपार, परमेष्ठी करते हैं नमस्कार। (आनंद / पारस)

३. काष्ठ को जो सूत्रधार, ... को कसे सुनार। (हेम / स्वर्ण)

४. ..... ! मेरी वंदना स्वीकार कीजिए। (गुरुदेव / भगवान)

५. ..... ही परमात्मा है। (आत्मा / जीव)

प्रश्न ४. ये कौन है पहचानकर लिखिए। (५)

१. पैर उपर रखके खरगोश के प्राण बचानेवाला - .....

२. दीक्षा से पहले वर्षभर तक दान देनेवाले - .....

३. कुलकर्णी के साथ मंदिर जानेवाले - .....

४. भूख से कम खानेवाला - .....

५. तीनों लोक में पूजित - .....

प्रश्न ५. नीचे दिए हुए जीवों की जाति पहचानकर लिखिए। (१०)

बेइन्द्रिय	चउरेन्द्रिय	पंचेन्द्रिय
.....	.....	चिडिया
.....	.....	.....

बेइन्द्रिय	चउरेन्द्रिय	पंचेन्द्रिय
.....	.....	.....
.....	.....	.....

(शब्दसूची - लट, मक्खी, गाय, कृमि, मच्छर, देवता, अलसिया, बिच्छू, मछली, तोता)

प्रश्न ६ 'पठतो नास्ति.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ७ 'एक सौ आठ बार परमेष्ठी' कविता पूर्ण बोलिए। (५)

प्रश्न ८ (१०)

सूचना - सभी वर्तुल से उचित अक्षरों को लेकर २४ तीर्थंकरों के नाम लिखिए।

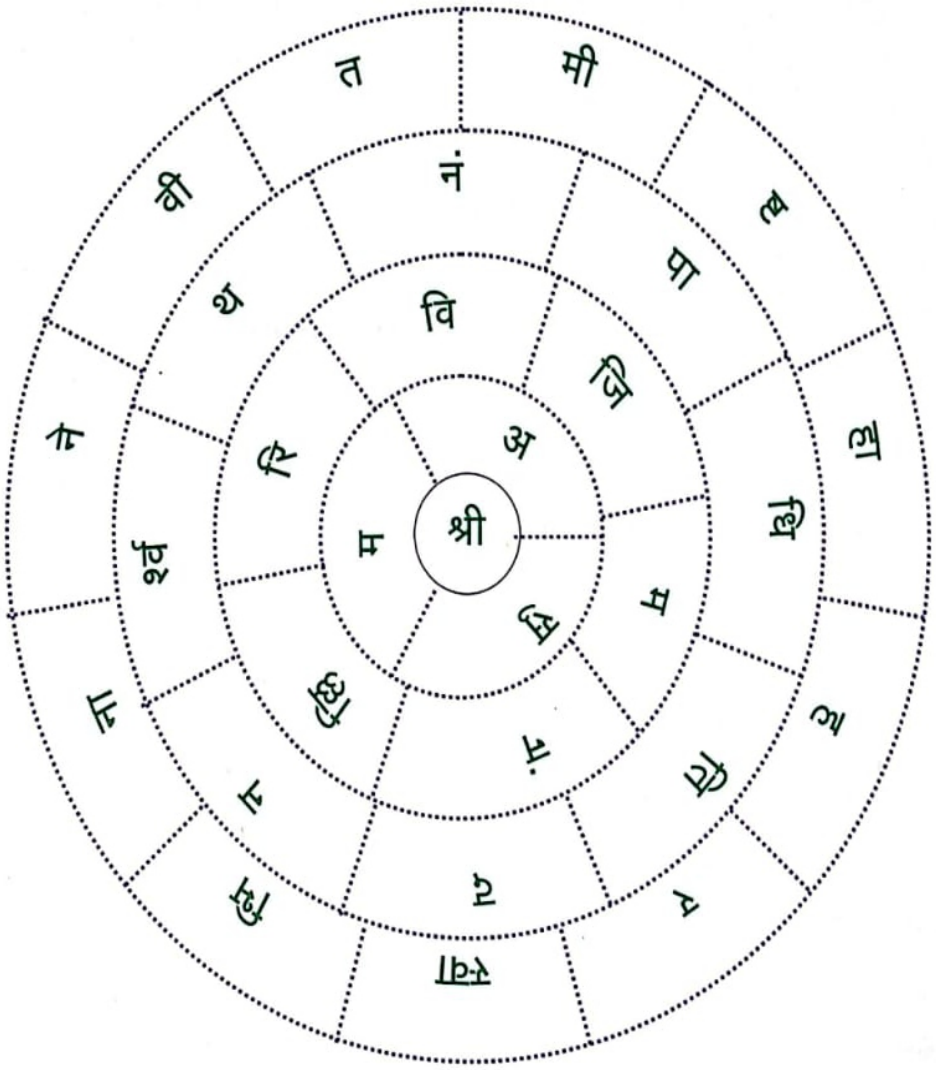

१. .....
२. .....
३. .....
४. .....
५. .....
६. .....
७. .....
८. .....
९. .....
१०. .....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त परिचय

वीर संवत् २५४८ | तृतीय खण्ड - लेखी

सन् २०२१ | समय : सुबह ९ से १२ | सम्पूर्णांक : १००

परीक्षा क्रमांक : ..... | केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग ३)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। (१०)

१. आने जाने के लिए दरवाजे आदि बनाना कौनसी पर्याप्ति है ? .....

२. जिसके द्वारा आत्मा जाना जाये उसे क्या कहते हैं? .....

३. कुलकर्णी और देशपांडे ने किस पर करुणा की ? .....

४. माता की तरह वात्सल्य भाव किसमें होता है ? .....

५. तीर्थंकर किसके लक्ष्य से दीक्षा लेते हैं ? .....

६. सोते - जागते वक्त क्या करने चाहिए ? .....

७. भगवान के उपदेश को क्या कहते है ? .....

८. अज्ञानतापूर्वक तप करना क्या है ? .....

९. स्वर्ण को भट्टी में कौन तपाता है ? .....

१०. संघ शिरोमणि कौन है ? .....

प्रश्न २. ये कौन है पहचानिए। (१०)

१. पैर उपर रखके खरगोश के प्राण बचानेवाला - .....

२. १३ साल की उम्र में दीक्षा ग्रहण करने वाले - .....

३. दीक्षा से पहले वर्षभर तक दान देनेवाले - .....

४. कुलकर्णी के साथ मंदिर जानेवाले - .....

५. जैनियों का बहुत ही पवित्र स्थान - .....

६. ४०० दिन की तपस्या करनेवाले - .....

७. जो धर्म की आराधना करते हैं - .....

८. थोड़ा और मीठा बोलनेवाले - .....

९. भूख से कम खानेवाला - .....

१०. तीनों लोक में पूजित - .....

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। (१०)

१. जिओ और जीने दो भगवान ऋषभदेव का प्रमुख संदेश है। .....

२. प्रतिकूल स्थिति में विचलित नहीं होना चाहिए। .....

३. जीवनशैली अहिंसा, संयम, तप युक्त चाहिए। .....

४. हमारे जीवन में धन का स्थान महत्वपूर्ण है। .....

५. धर्मस्थान से समाज में झगड़े होते हैं। .....

६. चलते समय जागृति रखनी चाहिए। .....

७. सही निर्णय को बदलना चाहिए। .....

८. हमारे सच्चे देव अरिहंत ही है। .....

९. हमारा हर दिन मूल्यहिन है। .....

१०. गलती करना बुरा नहीं है। .....

प्रश्न ४. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (१०)

१. जो ..... रक्षा करता है, धर्म भी उसकी रक्षा करता है। (धर्मकी / सबकी)

२. ..... से शरीर, मन और आत्मा स्वस्थ रहते हैं। (तपस्या / जप)

३. ..... हो भवपार, परमेष्ठी करते हैं नमस्कार। (आनंद / पारस)

४. वीर पुत्र मैं महावीर की ..... अपनाउंगा। (शंकाए / शिक्षाएं)

५. ..... तत्व के ९ प्रकार ये, जो प्राणी अपनाएंगे। (पाप / पुण्य)

६. ..... कौन? दुखी पर दया न करने वाला। (अंधा / बहरा)

७. काष्ठ को जो सूत्रधार, ... को कसे सुनार। (हेम / स्वर्ण)

८. ..... ! मेरी वंदना स्वीकार कीजिए। (गुरुदेव / भगवान)

९. संतों की ओर ..... करके न बैठें। (पैर / पीठ)

१०. ..... ही परमात्मा है। (आत्मा / जीव)

प्रश्न ५. गलत पर्याय चुनकर लिखिए। (५)

१. गुरु वंदना, अच्छे बच्चें, जैन धर्म, पुण्य के काम। .....

२. अरिहंत, तीर्थंकर, आचार्य, उपाध्याय। .....

३. गति, जाति, पर्याप्ति, अप् काय। .....

४. आहार, शरीर, भाषा, काया। .....

५. नरक, तिर्यंच, मनुष्य, स्वर्ग। .....

प्रश्न ६. एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (१०)

१. किस पाठ से भगवान की प्रार्थना करते हैं ?

.....

.....

२. तेइन्द्रिय जीव के उदाहरण बताइए।

.....

.....

३. त्रसकाय में कौन से जीव आते हैं ?

.....

.....

४. तप का अर्थ क्या है ?

.....

.....

५. गति किसे कहते है ?

.....

.....

प्रश्न ८. जोड लगाइए। (१०)

अ-स्तंभ	ब-स्तंभ	अ-स्तंभ	ब-स्तंभ
१. सरागसंयम	तेऊकाय	१.	.....
२. मिट्टी	देवगति	२.	.....
३. कपट	पर्याप्ति छह	३.	.....
४. बिजली	वस्त्रदान	४.	.....
५. रस का ज्ञान	एकेंद्रीय	५.	.....
६. पांचवा बोल	एक गीत	६.	.....
७. वस्त्रहीन को	तिर्यंच गति	७.	.....
८. 1008	सोमयश	८.	.....
९. एक तान	शुभ चिन्ह	९.	.....
१०. हस्तिनापुर	रसनेन्द्रिय	१०.	.....

प्रश्न ९. नीचे दिए हुए जीवों की जाति पहचानकर लिखिए। (१०)

(शब्दसूची - लट, मक्खी, गाय, कृमि, मच्छर, देवता, अलसिया, बिच्छू, मछली, तोता)

बेइन्द्रिय	चउरेन्द्रिय	पंचेन्द्रिय
.....	.....	चिडिया
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

प्रश्न १०. उचित पर्याय चुनकर दी हुई पंक्ति पूर्ण कीजिए। (५)

(शब्दसूची - शरीरं चैव वाचं च, आयुर्विज्ञा यशोबलम्, स्मृतिस्तत्परता क्रिया, तीर्थं फलति कालेन, कर्कशाऽपि सितोपला, अधमस्य त्वहोरात्रिं)

१. विद्या वितर्को, विज्ञानं, ... ।
२. ....., बुध्दिेन्द्रिय मनांसि च।
३. ....., सद्यः साधु समागमः।
४. चत्वारि तस्य वर्धन्ते, ...।
५. गलन् मधुरसा पूर्वं, ...।

प्रश्न ११. पू. गुरुदेव आचार्य सम्राट श्री आनंदऋषिजी म.सा. की विशेषताएं लिखिए। (५)

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्रश्न १२ 'पठतो नास्ति .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १३ (१०)

सूचना – सभी वर्तुल से उचित अक्षरों को लेकर २४ तीर्थंकरों के नाम लिखिए।

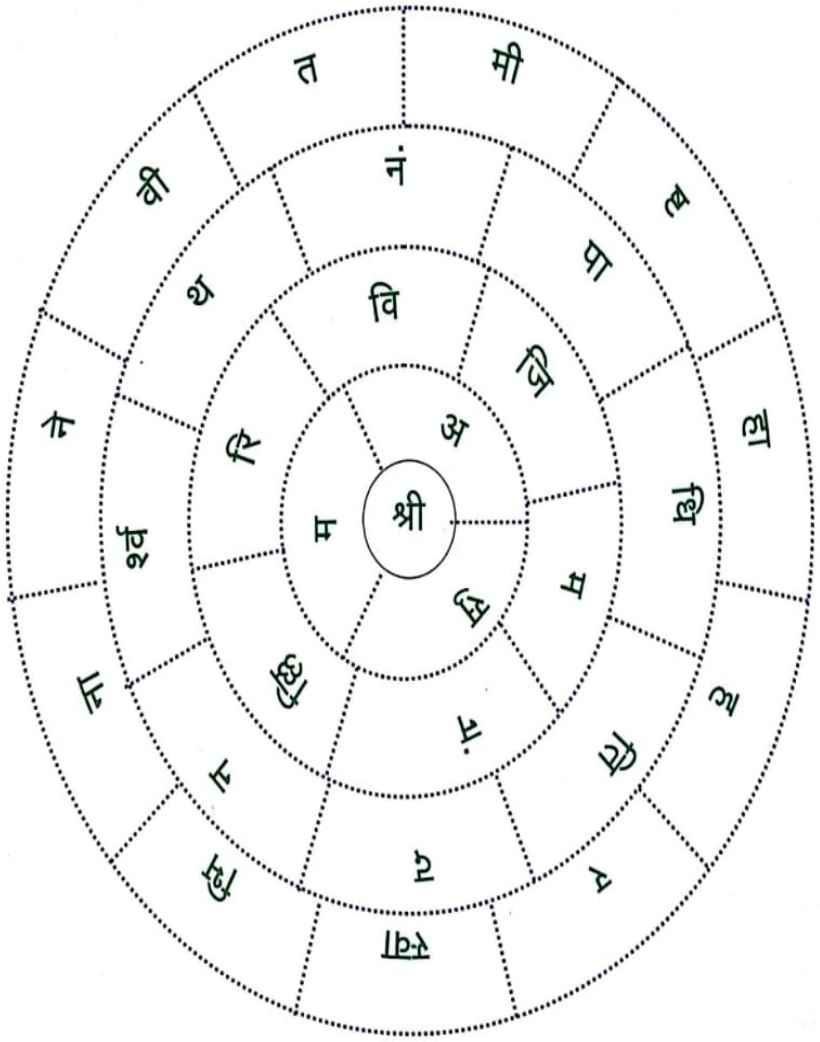

१. ..... २. .....

३. ..... ४. .....

५. ..... ६. .....

७. ..... ८. .....

९. ..... १०. .....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ | प्रथम खण्ड - मौखिक

सन् २०२१ | समय : सुबह ९ से १२ | सम्पूर्णांक : ७०

परीक्षा क्रमांक : ..... | केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। (५)

१. पर्यावरण शास्त्र को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ? .....

२. जैन प्रतीक में चक्र पर क्या लिखा हुआ है ? .....

३. वर्तमान में किसका शासन चल रहा है ? .....

४. किनकी सातों बहने दीक्षित हुई थी ? .....

५. Write One quality of Yash. .....

प्रश्न २. सही या गलत पहचानकर लिखिए। (५)

१. उच्च शिक्षा ग्रहण करके अपने सिद्धांतों की सुरक्षा करें। .....

२. शाकाहारी-मांसाहारी मिक्स हॉटेल में खाना खाए। .....

३. एक ही बात बार-बार दोहराए नहीं। .....

४. प्रतिदिन नवकारसी करनी चाहिए। .....

५. नौवें बोले योग १५। .....

प्रश्न ३. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (५)

१. देव, गुरु, और धर्म एक है, सामायिक और .....भी एक है।
२. देव हमारे श्री अरिहंत, ... हमारे गुणीजन संत।
३. आयरियाणं तो अष्ट सिद्धि ..... के भंडारी है।
४. ऋषभदेव ने इसको रोपा, ... को सौंपा।
५. ..... बिगाड़ा हमने, जंगल सारे काटे।

प्रश्न ४. ये कौन है पहचानकर लिखिए। (५)

१. Whom do we blame for bad handwriting - .....

२. इस राजा ने जैन धर्म को पाला - .....

३. आहार को पचानेवाला शरीर - .....

४. राग-द्वेष को जीतनेवाले - .....

५. अंतिम श्रुतकेवली - .....

प्रश्न ५. अंको में जवाब दीजिए। (४)

१. चातुर्मास में कितने मास का समावेश होता है ? .....

२. स्वस्तिक के ऊपर कितने बिंदु है ? .....

३. काययोग कितने हैं ? .....

४. आगम कितने हैं ? .....

प्रश्न ६ 'सर्वे सुखिनः.....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ७ 'नवकार महिमा' कविता पूर्ण बोलिए। (५)
प्रश्न ८ मेरी प्रतिज्ञा पूर्ण एवं शुद्ध बोलिए। (५)
प्रश्न ९ (११)

सूचना – नीचे दिये हुए तालिका से सही जवाब खोजकर लिखिए।

अ	शो	क	मु	नि	आ
गु	प	यि	ता	रि	स
णी	थि	मा	रि	ग	मा
ज	क	सा	हिं	अ	न
न	ही	पु	स्त	क	व
ण	र	व	र्या	प	ता

१. कौन बिना थके चले तो लक्ष्य पाता है? – .....
२. गुरु हमें किसका मूलमंत्र बताये? – .....
३. हमारे गुरु कैसे संत है? – .....
४. नवकार के साथ और एक क्या है? – .....
५. नवकार महिमा के रचयिता कौन है? – .....
६. मन की कैसी ग्रंथी को तोडो? – .....
७. पानी मेघों की क्या है? – .....
८. पंछी किसमें उडते हैं? – .....
९. कौन-सा धर्म जग हितकारी है? – .....
१०. किसने सबसें प्यार करना सिखाया? – .....
११. हमने क्या बिगाडा? – .....

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

वीर संवत् २५४८ | प्रथम खण्ड - लेखी

सन् २०२१ | समय : सुबह ९ से १२ | सम्पूर्णांक : १००

परीक्षा क्रमांक : ..... | केन्द्र का नाम : .....

(जैन पाठावली - भाग ४)

प्रश्न १. एक शब्द में जवाब लिखिए। (१०)

१. पर्व के दिनों में किसका विशेष लक्ष्य होता है ? .....

२. पर्यावरण शास्त्र को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ? .....

३. कम अक्षरों में अधिक भाव कौन दे जाते हैं ? .....

४. जैन प्रतीक में चक्र पर क्या लिखा हुआ है ? .....

५. वर्तमान में किसका शासन चल रहा है ? .....

६. तीर्थंकरों के उपासकों क्या कहते हैं ? .....

७. किनकी सातों बहने दीक्षित हुई थी ? .....

८. हमारे आगम कौनसी भाषा में हैं ? .....

९. पथ के दर्शक कौन है ? .....

१०. Write One quality of Yash. .....

प्रश्न २. ये कौन है पहचानिए। (९)

१. तीनों काल एवं तीनों लोकों के समस्त पदार्थों का सामान्य बोध - .....

२. पदार्थ के सही स्वरूप का कथन करना - .....

३. बेइंद्रिय से पंचेंद्रिय के जीवों की भाषा - .....

४. उदार, प्रधान पुद्गलों से बना शरीर - .....

५. वस्तु के विशेष स्वरुप को जानना - .....

६. कार्मण शरीर से होनेवाली क्रिया - .....

७. जीव की जीवित रहने की शक्ति - .....

८. जिव्हा में बोलने की शक्ति होना - .....

९. मेरे तीन भेद है - .....

प्रश्न ३. सही है या गलत पहचानकर लिखिए। (१०)

१. Ability means "I can do things on my own." .....

२. उच्च शिक्षा ग्रहण करके अपने सिद्धांतों की सुरक्षा करें। .....

३. शाकाहारी-मांसाहारी मिक्स हॉटेल में खाना खाए। .....

४. जीवन का अनमोल रतन पर्यावरण है। .....

५. एक ही बात बार-बार दोहराए नहीं। .....

६. प्रतिदिन नवकारसी करनी चाहिए। .....

७. तनकर या झूककर नहीं बैठे। .....

८. नौवें बोले योग १५। .....

९. सभा के बीच में खड़े ना रहें। .....

१०. भीड़ में चले। .....

प्रश्न ४. ये कौन है, पहचानिए। (५)

१. Whom do we blame for bad handwriting - .....

२. इस राजा ने जैन धर्म को पाला - .....

३. आहार को पचानेवाला शरीर - .....

४. राग-द्वेष को जीतनेवाले - .....

५. अंतिम श्रुतकेवली - .....

प्रश्न ५. अंको में जवाब दीजिए। (५)

१. ५० साल में एक पेड़ कितने % के लगभग तापमान कम करता है ? .....

२. चातुर्मास में कितने मास का समावेश होता है ? .....

३. स्वस्तिक के ऊपर कितने बिंदु है ? .....

४. काययोग कितने हैं ? .....

५. आगम कितने हैं ? .....

प्रश्न ६. उचित पर्याय चुनकर लिखिए। (६)

१. जैन दर्शन में शक्ति के अनुसार व्रतों को ग्रहण करना ..... है।

२. ..... की आराधना से आत्मा सर्वज्ञ हो सकती है।

३. जैन दर्शन में ..... को सर्वश्रेष्ठ धर्म माना गया है।

४. ..... जैन दर्शन का मूल सिद्धांत है।

५. ..... से इंद्रियों का दमन होता है।

६. ..... जैन दर्शन का प्राण है।

(शब्दसूची - सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, सम्यक् चारित्र, अहिंसा, तप, अनेकांतवाद)

प्रश्न ७. किसने किससे कहा, बताइए। (४)

१. 'आपका असली सौंदर्य अब खत्म हो गया है।' .....

२. 'मेरे हृदय में स्पंदन हुए बिना नहीं रहते।' .....

३. 'सुलसा श्राविका को धर्म संदेश कहना।' .....

४. 'तुम विद्या को पचा नहीं सके।' .....

प्रश्न ८. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (१०)

१. देव, गुरु, और धर्म एक है, सामायिक और ..... भी एक है।

२. ..... की आराधना से आत्मा सर्वज्ञ हो सकती है।

३. जैन दर्शन में ..... को सर्वश्रेष्ठ धर्म माना गया है।

४. ..... जैन दर्शन का मूल सिद्धांत है।

५. ..... से इंद्रियों का दमन होता है।

६. ..... जैन दर्शन का प्राण है।

७. आयरियाणं तो अष्ट सिद्धि ..... के भंडारी है।

८. When I am ..... a task, I Complete it.

९. ऋषभदेव ने इसको रोपा, ... को सौंपा।

१०. ..... बिगाड़ा हमने, जंगल सारे काटे।

प्रश्न ८. जोड लगाइए। (१०)

अ-स्तंभ	ब-स्तंभ	अ-स्तंभ	ब-स्तंभ
१. जैन मंत्र	विष्णुजी	१.	.....
२. जैन आगम	६८ अक्षर	२.	.....
३. आर्य स्थूलिभद्र	७ जून	३.	.....
४. दक्षिण द्वार	१६ महारोग	४.	.....
५. जैन प्रतीक	वर्षावास	५.	.....
६. जैन ध्वज	आप्त पुरुष	६.	.....
७. सनत्कुमार चक्रवर्ती	१० पूर्व के ज्ञानी	७.	.....
८. पर्यावरण दिन	यतना	८.	.....
९. जैन धर्म का श्वास	लोकचित्र	९.	.....
१०. चातुर्मास	पंचरंगी	१०.	.....

प्रश्न ९. परिभाषा लिखिए। (१०)

१. उपयोग - .....

.....

२. दर्शन - .....

.....

३. शरीर - .....

.....

४. प्राण - .....

.....

५. योग - .....

.....

प्रश्न १०. मेरी प्रतिज्ञा पूर्ण एवं शुद्ध लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ११ 'सर्वे सुखिनः .....' सुभाषित अर्थसहित पूर्ण लिखिए। (५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न १२ (११)

सूचना – नीचे दिये हुए तालिका से सही जवाव खोजकर लिखिए।

अ	शो	क	मु	नि	आ
गु	प	यि	ता	रि	स
णी	थि	मा	रि	ग	मा
ज	क	सा	हिं	अ	न
न	ही	पु	स्त	क	व
ण	र	व	र्या	प	ता

१. कौन बिना थके चले तो लक्ष्य पाता है? – .....

२. गुरु हमें किसका मूलमंत्र बताये? – .....

३. हमारे गुरु कैसे संत है? – .....

४. नवकार के साथ और एक क्या है? – .....

५. नवकार महिमा के रचयिता कौन है? – .....

६. मन की कैसी ग्रंथी को तोडो? – .....

७. पानी मेघों की क्या है? – .....

८. पंछी किसमें उडते हैं? – .....

९. कौन-सा धर्म जग हितकारी है? – .....

१०. किसने सबसें प्यार करना सिखाया? – .....

११. हमने क्या बिगाडा? – .....